# हरि मिलते हैं हरि गुण गाने से

हरि मिलते हैं हरि गुण गाने से
==========
हरि, मिलते हैं, हरि गुण, गाने से ॥
नहीं मिलते हैं, सबको रिझाने से ॥
हरि / प्रभु, मिलते हैं... जय हो ॥।हरि गुण...

चाहे, मंदिर में जाओ, चाहे परिक्रमा लगाओ ॥
नहीं, मिलते हैं, घंटी बजाने से ॥
हरि / प्रभु, मिलते हैं... जय हो ॥।हरि गुण...

चाहे, गीता पढ़ो, या रामायण पढो ॥
नहीं, मिलते हैं, माला घूमाने से ॥
हरि / प्रभु, मिलते हैं... जय हो ॥।हरि गुण...

तुम, प्रेमी बनो, सबके प्यारे बनो ॥
भगती, मिलती है, सत्संग में, जाने से ॥
हरि / प्रभु, मिलते हैं... जय हो ॥।हरि गुण...

चाहे, गंगा नहा लो, चाहे यमुना नहा लो ॥
नहीं, मिलते हैं, डुबकी लगाने से ॥
हरि / प्रभु, मिलते हैं... जय हो ॥।हरि गुण...
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36307/title/hari-milte-hain-hari-gun-gaane-se

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |